Dainik Bhaksar (05.04.2016)

आधुनिक शिक्षा प्रणाली में सुधार की जरूरत : केलकर

फरीदाबाद| वाईएमसीए यूनिवर्सिटी के विवेकानंद मंच ने आदर्श भारतीय शिक्षा विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया। इसमें पुनरुथान विद्यापीठ अहमदाबाद के दिलीप केलकर ने विशिष्ट वक्ता के रूप में संबोधन देते हुए कहा कि आधुनिक शिक्षा प्रणाली के पुनरुथान की आवश्यकता है। इसके लिए शिक्षण संस्थानों को अनुकूलतम वातावरण तैयार करना होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। जबकि इंडियन ऑयल कार्पोरेशन के अनुसंधान एवं विकास केन्द्र के वरिष्ठ प्रबंधक गंगा शंकर मिश्र विशिष्ठ अतिथि के रूप में मौजूद थे। केलकर ने कहा कि भारतीय शिक्षा परंपरा विश्व की प्राचीनतम

फरीदाबाद वाईएमसीए कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दिलीप केलकर का स्वागत करते कुलपति डा. दिनेश कुमार।

तथा श्रेष्ठतम परंपरा है। उन्होंने कहा शिक्षा व्यक्ति की संभावित क्षमता पर निर्भर करती है और व्यक्तिगत विकास को निर्धारित करती है। इसलिए शिक्षा प्रणाली में संभावित क्षमताओं पर ध्यान देते हुए व्यक्तिगत विकास को सुनिश्चित बनाना होगा। प्रत्येक क्षेत्र के लिए अनुसंधान को महत्वपूर्ण बताते हुए केलकर ने कहा कि आज आवश्यकता अनुसंधान पर बल देने की है और दुनिया में समाज तरक्की करता है, जो अनुसंधान में आगे हो। शिक्षा के क्षेत्र में स्वायत्ता को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने तक्षशिला तथा नालंदा जैसे प्राचीन प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय का उदाहरण दिया और इस दिशा में पुनरुथान विद्यापीठ अहमदाबाद द्वारा किए जा रहे कार्यों का भी उल्लेख किया। इस दौरान कुलसचिव डा. संजय कुमार शर्मा, डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. एसके अग्रवाल, प्रो. संदीप ग्रोवर आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में आदर्श बेहद जरूरी है।

Punjab Kesari (05.04.2016)

'आदर्श भारतीय शिक्षा' पर विशेष व्याख्यान

बल्लभगढ़,(सुरेश बंसल): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के विवेकानंद मंच द्वारा 'आदर्श भारतीय शिक्षा' विषय को लेकर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें पुनरुथान विद्यापीठ, अहमदाबाद से दिलीप केलकर ने विशिष्ठ वक्ता के अपने उद्गार व्यक्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की जबकि इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के अनुसंधान एवं विकास केन्द्र में वरिष्ठ प्रबंधक गंगा शंकर मिश्र

कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर कुल सचिव डॉ. संजय कुमार शर्मा, डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. एस के अग्रवाल, प्रो. संदीप ग्रोवर के अलावा काफी संख्या में संकाय सदस्य भी सम्मिलित हुए। व्याख्यान के दौरान आधुनिक संदर्भ में भारतीय शिक्षा परम्परा को लेकर परस्पर चर्चा भी की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में आदर्श बेहद जरूरी है और भारतीय शिक्षा की परम्परा को पुनः विकसित करने के लिए पुनरुथान विद्यापीठ द्वारा किये जा रहे प्रयास सराहनीय है। भारतीय शिक्षा परम्परा को विश्व की प्राचीनतम तथा श्रेष्ठतम परम्परा बताते हुए श्री केलकर ने कहा कि आधुनिक शिक्षा प्रणाली के पुनरुथान की आवश्यकता है, जिसके लिए शिक्षण संस्थानों को अनुकूलतम वातावरण तैयार करना होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यक्ति की संभावित क्षमता पर निर्भर करती है और व्यक्तिगत विकास को निर्धारित करती है। इसलिए, शिक्षा प्रणाली में संभावित क्षमताओं पर ध्यान देते हुए व्यक्तिगत विकास को सुनिश्चित बनाना होगा।

Navbharat Times (05.04.2016)

शिक्षा पर चर्चा

■ **वस, फरीदाबाद :** वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी के विवेकानंद मंच की ओर से आदर्श भारतीय शिक्षा विषय को लेकर व्याख्यान आयोजित किया गया। पुनरुत्थान विद्यापीठ, अहमदाबाद से दिलीप केलकर ने संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो.दिनेश कुमार ने की, जबकि इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के अनुसंधान एवं विकास केंद्र में वरिष्ठ प्रबंधक गंगाशंकर मिश्र कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि थे।

Amar Ujala (05.04.2016)

शिक्षा प्रणाली का पुनरुत्थान जरूरी

फरीदाबाद (ब्यूरो)। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में विवेकानंद मंच द्वारा आदर्श भारतीय शिक्षा विषय को लेकर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस मौके पर शिक्षाविद् दिलीप केलकर ने कहा कि आधुनिक शिक्षा प्रणाली के पुनरुत्थान की जरूरत है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के अनुसंधान एवं विकास केंद्र में वरिष्ठ प्रबंधक गंगाशंकर मिश्र कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि के रूप में मौजूद रहे। भारतीय शिक्षा परंपरा को विश्व की प्राचीनतम तथा श्रेष्ठतम परंपरा बताते हुए केलकर ने कहा कि आधुनिक शिक्षा प्रणाली के लिए शिक्षण संस्थानों को अनुकूलतम वातावरण तैयार करना होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यक्ति की संभावित क्षमता पर निर्भर करती है और व्यक्तिगत विकास को निर्धारित करती है। इसलिए, शिक्षा प्रणाली में संभावित क्षमताओं पर ध्यान देते हुए व्यक्तिगत विकास को सुनिश्चित बनाना होगा। कुलपति ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में आदर्श बेहद जरूरी हैं और भारतीय शिक्षा की परंपरा को पुन: विकसित करने के लिए पुनरुत्थान विद्यापीठ द्वारा किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. संजय कुमार शर्मा, डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. एसके अग्रवाल, प्रो. संदीप ग्रोवर सहित अनेक प्राध्यापक मौजूद थे।